

---

shrIruChirAShTakam 2

श्रीरुचिराष्टकम् २

Document Information

---

Text title : ruchirAShTakam 2

File name : ruchirAShTakam2.itx

Category : vishhnu, krishna, puShTimArgIya, aShTaka, haridAsa, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Author : haridAsa

Proofread by : PSA Easwaran psawaswaran

Description/comments : puShTimArgIya stotraratnAkara

Latest update : February 28, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरुचिराष्टकम् २



प्रभुवक्त्रं रुचिरं केशं रुचिरं  
तिलकं रुचिरं चलनं रुचिरम् ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ १ ॥

द्विजवर्णं रुचिरं कर्णं रुचिरं  
कुण्डलं रुचिरं मण्डलं रुचिरम् ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ २ ॥

गलस्थलं रुचिरं भ्रूचलं रुचिरं  
नासा रुचिरा श्वासो रुचिरः ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ ३ ॥

नयनं रुचिरं शयनं रुचिरं  
दानं रुचिरं मानं रुचिरम् ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ ४ ॥

वदनं रुचिरं अमलं रुचिरं  
अधरं रुचिरं मधुरं रुचिरम् ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ ५ ॥

दन्तं रुचिरं पङ्की रुचिरा  
रेखा रुचिरा वाणी रुचिरा ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ ६ ॥

वचनं रुचिरं रचनं रुचिरं  
आस्यं रुचिरं हासं रुचिरम् ।  
रुचिराधिपतेः सकलं रुचिरम् ॥ ७ ॥

ग्रीवा रुचिरा सेवा रुचिरा ।  
माला रुचिरा लक्षणं रुचिरम् ।

रूचिराधिपतेः सकलं रूचिरम् ॥ ८ ॥

करयुग्मं रुचिरं गमनं रुचिरं

हृदयं रुचिरं नाभी रुचिरा ।

रूचिराधिपतेः सकलं रूचिरम् ॥ ९ ॥

कटितटं रुचिरं पृष्ठं रुचिरं

वसनं रुचिरं रसनं रुचिरम् ।

रूचिराधिपतेः सकलं रूचिरम् ॥ १० ॥

त्रिवली रुचिरा जघनं रुचिरं

सघनं रुचिरं चलनं रुचिरम् ।

रूचिराधिपतेः सकलं रूचिरम् ॥ ११ ॥

चरणं रुचिरं वरणं रुचिरं

भरणं रुचिरं करणं रुचिरम् ।

हरिदासमते सकलं रुचिरं

रूचिराधिपतेः सकलं रूचिरम् ॥ १२ ॥

इति हरिदासनाथभाईकृतं श्रीरुचिराष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by PSA Easwaran

---

—  
*shrIruchirAShTakam 2*

pdf was typeset on December 22, 2023

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

